vinetur

इटली के उद्योग मंत्री ने संरक्षित वाइन नामों को अमेरिकी चुनौतियों से बचाने की EU से अपील की

अडोल्फो उर्सो ने कहा कि अमेरिकी पहलें ब्रुनेलो दी मोंताल्चीनो और अन्य यूरोपीय अपीलेशनों के कानूनी संरक्षण को कमजोर कर सकती हैं

रविवार, 22 नवंबर 2026



इटली के उद्योग मंत्री ने शनिवार, 21 नवंबर को यूरोपीय संघ से भौगोलिक संकेतकों की रक्षा के लिए सख्त रुख अपनाने की अपील की। उन्होंने चेताया कि अमेरिका में उठाए जा रहे कदम यूरोप के कुछ सबसे प्रसिद्ध क्षेत्रीय खाद्य और वाइन नामों के कानूनी संरक्षण को कमजोर कर सकते हैं।

ANSA के अनुसार, उद्यम एवं मेड इन इटली मंत्री अडोल्फो उर्सो ने सिएना के पास मोंताल्चीनो में जारी बेनवेनूतो ब्रुनेलो के 35वें संस्करण को भेजे वीडियो संदेश में यह अपील की।

उर्सो ने कहा कि यूरोप को उन भौगोलिक संकेतकों की रक्षा करनी चाहिए जिन्हें EU ने मर्कोसुर, मेक्सिको, जापान और वियतनाम के साथ व्यापार समझौतों में पहले ही मान्यता दी है। ये संरक्षण उन उत्पादों पर लागू होते हैं जिनके नाम

कानूनी रूप से किसी खास स्थान और उत्पादन पद्धति से जुड़े होते हैं। ब्रुनेलो दी मोंताल्चीनो जैसी वाइन और उत्पत्ति-नाम पर आधारित अन्य उत्पादों के लिए यह व्यवस्था खास तौर पर महत्वपूर्ण है।

ANSA के अनुसार, उर्सो ने कहा, "भौगोलिक संकेतकों की रक्षा के लिए यूरोप को सख्त रुख अपनाना होगा।"

उन्होंने कहा कि इन उत्पादों को नए खतरों का सामना करना पड़ रहा है और तर्क दिया कि अमेरिकी प्रशासन की कुछ पहलें यूरोप के सबसे मूल्यवान संरक्षित नामों को आम प्रचलित शब्द बना सकती हैं। उर्सो ने कहा कि इससे उत्पादकों और उपभोक्ताओं, दोनों को नुकसान हो सकता है, जबकि नकल के उत्पादों और "इटैलियन साउंडिंग" वस्तुओं का प्रसार जारी है। संदेश में उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे अमेरिका की किन पहलों की बात कर रहे थे।

यह मुद्दा नामकरण नियमों को लेकर कानूनी विवाद से कहीं आगे तक मायने रखता है। यदि प्रमुख निर्यात बाजारों में संरक्षित यूरोपीय नामों को अधिक व्यापक रूप से सामान्य शब्द माना जाने लगे, तो इससे वाइन अपीलेशनों और उत्पत्ति-आधारित ब्रांडिंग पर निर्भर अन्य पेय लेबलों का वाणिज्यिक मूल्य और विशिष्टता घट सकती है। पेय उत्पादकों, खासकर वाइन क्षेत्र के लिए, इससे मूल्य तय करने की क्षमता, बाजार में पहचान और उपभोक्ता विश्वास को संभावित जोखिम होगा।

उर्सो ने उत्पत्ति-आधारित उत्पादों की रक्षा को इतालवी सरकार की व्यापक औद्योगिक रणनीति से जोड़ा। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि ये उत्पादन सरकार के मेड इन इटली 2030 श्वेतपत्र के उद्देश्यों को दर्शाते हैं, जिसका लक्ष्य इतालवी गुणवत्ता और पहचान से जुड़े क्षेत्रों को मजबूत करना है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रुनेलो के प्रदर्शन का भी उल्लेख किया। उर्सो ने कहा कि वाइन और स्पिरिट के फ्रांसीसी निर्यात में गिरावट के बावजूद यह नामकरण विदेशों में टिके रहने में सफल रहा है। उन्होंने इसे इस बात का प्रमाण बताया कि कमजोर बाजार माहौल में भी प्रतिष्ठा और गुणवत्ता मांग को सहारा दे सकती हैं।

ANSA के अनुसार, उर्सो ने कहा, "बाजार में गिरावट के दौरान बढ़ने वाला नामकरण इस बात का प्रमाण है कि गुणवत्ता और प्रतिष्ठा का लाभ मिलता है।"

उनकी टिप्पणियों ने वाइन क्षेत्र को यूरोप में चल रही उस व्यापक बहस के केंद्र में ला दिया कि व्यापार नीति और व्यापारिक साझेदारों के साथ विवादों में संघ को संरक्षित नामों की रक्षा कितनी आक्रामकता से करनी चाहिए। भौगोलिक संकेतक लंबे समय से EU की प्रमुख प्राथमिकता रहे हैं, खासकर उन वार्ताओं में जिनमें उच्च निर्यात मूल्य वाले खाद्य और पेय उत्पाद शामिल हैं।

इटली के लिए यह मुद्दा खास तौर पर संवेदनशील है, क्योंकि उसके कई प्रमुख निर्यात संरक्षित क्षेत्रीय पहचान पर निर्भर हैं। वाइन कारोबार में स्थान से जुड़े नाम केवल विपणन का साधन नहीं, बल्कि एक कानूनी श्रेणी भी हैं, जो असली उत्पादों को नकली से अलग करने में मदद करती है। उत्पादक वर्षों से तर्क देते आए हैं कि विदेशों में कमजोर प्रवर्तन से मिलते-जुलते लेबल और ऐसे उत्पादों का रास्ता खुल सकता है, जो समान मानकों पर खरे उतरे बिना इतालवी क्षेत्रों की प्रतिष्ठा का लाभ उठाते हैं।

उर्सो ने कहा कि इतालवी सरकार और उनका मंत्रालय, जिसे Mimit के नाम से जाना जाता है, जालसाजी के खिलाफ और कंपनियों के निवेश तथा अंतरराष्ट्रीय विस्तार के समर्थन में प्रयास जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कई नीतिगत उपायों का उल्लेख किया, जिनमें मेड इन इटली पर इटली का रूपरेखा कानून, ट्रांज़िशन 5.0 योजना और कारोबारी निवेश को समर्थन देने वाला न्यू सबातिनी कार्यक्रम शामिल हैं।

उनकी टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं जब यूरोपीय उत्पादक व्यापार और बौद्धिक संपदा नीति पर करीबी नजर रख रहे हैं, खासकर उन बाजारों में जहां पारंपरिक यूरोपीय नामों के सामान्य इस्तेमाल पर लंबे समय से विवाद रहा है। इतालवी अधिकारियों और उत्पादक समूहों ने बार-बार कहा है कि नकली वस्तुओं का प्रसार असली उत्पादकों द्वारा निर्मित मूल्य

को नुकसान पहुंचाता है और खरीदारों के मन में उत्पत्ति तथा गुणवत्ता को लेकर भ्रम पैदा कर सकता है।

मोंताल्चीनो में इस हस्तक्षेप का प्रतीकात्मक महत्व भी था। ब्रुनेलो दी मोंताल्चीनो इटली के सबसे पहचाने जाने वाले वाइन नामों में से एक है और इस बात का देश का सबसे स्पष्ट उदाहरण भी कि उत्पत्ति के संरक्षित नाम निर्यात, पर्यटन और स्थानीय निवेश को बढ़ावा दे सकते हैं। इस स्थल को चुनकर उर्सो ने व्यापार नीति, ब्रांड संरक्षण और प्रीमियम वाइन क्षेत्रों की आर्थिक भूमिका के बीच संबंध को रेखांकित किया।

ANSA ने बताया कि मंत्री के संदेश में भौगोलिक संकेतकों की रक्षा को जालसाजी और नकल के खिलाफ इतालवी उत्पादन की सुरक्षा के व्यापक प्रयास का हिस्सा बताया गया। यह ऐसे समय हो रहा है जब वैश्विक खाद्य और पेय बाजारों में प्रतिस्पर्धा तीव्र बनी हुई है।